University in News on 25 April 2022

AMRIT VICHAR PAGE 5

लविवि के विधि संकाय में ग्रीष्मकालीन अवकाश नहीं

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के शिक्षकों ने इस बार ग्रीष्मकालीन अवकाश न लेने का निर्णय लिया है। साथ ही संबद्ध महाविद्यालयों के विधि शिक्षकों से भी कहा है कि वे भी ग्रीष्मकालीन अवकाश न लें। शिक्षकों ने यह निर्णय कोरोना के चलते कई महीनों तक कैंपस बंद रहने से हुए पढ़ाई के नुकसान की भरपाई के लिए लिया है।

विधि संकाय के अध्यक्ष और विभागाध्यक्ष प्रो. सीपी सिंह ने बताया कि रविवार को दोपहर लविवि से संबद्ध सभी विधि महाविद्यालयों के प्राचार्यों व प्रबंधकों की वर्चुअल बैठक का आयोजन किया गया। इसमें कोविड महामारी से प्रभावित हुई पढ़ाई और छात्रों की दशा पर चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि शिक्षकों का दायित्व बनता है कि वे ग्रीष्मकालीन अवकाश लेने के बजाय ऑफलाइन कक्षाएं लेते रहें। उन्होंने महाविद्यालयों से आग्रह किया है कि वे इस प्रस्ताव पर गौर करें और शिक्षकों को कक्षाएं लेने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने बताया कि लविवि के विधि संकाय के सभी शिक्षकों को भी प्रस्ताव रखा गया। वे सभी ग्रीष्मकालीन अवकाश में कक्षाएं लेने के लिए राजी हो गए हैं। उन्होंने बताया कि इससे दूसरे सेमेस्टर का कोर्स समय पर पूरा किया जा सकेगा और समय पर परीक्षा भी कराई जा सकेगी। ताकि अगला सत्र समय से शुरू हो सके।

सराहनीय : कोरोना के चलते कैंपस बंद रहने से हुए पढ़ाई के नुकसान की भरपाई के लिए शिक्षकों ने लिया निर्णय

28 अप्रैल शुरू होंगी कक्षाएं

प्रो. सीपी सिंह ने बताया कि एलएलबी पांच वर्षीय और एलएलबी तीन वर्षीय परीक्षाएं खत्म होने वाली हैं। 28 अप्रैल से दोनों पाठ्यक्रम के दूसरे सेमेस्टर की कक्षाएं लविवि में शुरू हो जाएंगी। इसका टाइम टेबल विभाग के नोटिस बोर्ड पर चस्पा कर दिया गया है। सभी छात्रों के मोबाइल पर इसकी जानकारी उपलब्ध करा दी गई है। उन्होंने महाविद्यालयों से भी आग्रह किया है कि वे भी 28 से विधि के दूसरे सेमेस्टर की कक्षाएं शुरू कर दें।

नैचुरोपैथी एंड यौगिक साइंस में आवेदन की अंतिम तिथि 31 मई

लखनऊ। लविवि में अगले सत्र में शुरू होने वाले साढ़े पांच साल का बैचलर इन नैचुरोपैथी एंड यौगिक साइंस में दाखिले के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 31 मई निर्धारित की गई है। यह पाठ्यक्रम यौगिक अध्ययन संस्थान के अंतर्गत शुरू किया गया है। आवेदन की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। छात्र विवि की वेबसाइट से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए अहर्ता जीव विज्ञान विषय के साथ 50 प्रतिशत अंकों के साथ इंटर उत्तीर्ण करना अनिवार्य है। दाखिला प्रवेश परीक्षा के आधार पर होगा। प्रवेश के समय छात्र की आयु 17 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए। पाठ्यक्रम में 60 सीटें हैं। छात्रों को साढ़े चार वर्ष यानी नौ सेमेस्टर की पढ़ाई करनी होगी। इसके बाद एक वर्ष की इंटर्नशिप भी करनी होगी। (माई सिटी रिपोर्टर)

i-NEXT PAGE 5

कोविड काल में पढ़ाई के नुकसान की होगी पूर्ति

लखनऊ यूनिवर्सिटी ने संबद्ध सभी लॉ कॉलेजों के प्राचार्यों के साथ की बैठक

lucknow@inext.co.in

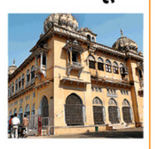

LUCKNOW (24 Apr): लखनऊ यूनिवर्सिटी से संबद्ध लॉ डिग्री कॉलेजों में कोरोना संक्रमण से जिन छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हुई है, उनकी पढ़ाई का कोटा पूरा कराया जायेगा. इसके लिए यूनिवर्सिटी ने सभी लॉ कॉलेजों के प्राचार्यों के साथ रविवार को बैठक कर शिक्षकों से गर्मियों की छुट्टी पर न जाने की अपील की है. ऑनलाइन हुई बैठक में लॉ संकाय अध्यक्ष प्रोफेसर सीपी सिंह ने कहा कि कोविड-19 के कारण छात्रों का बहुत नुकसान हुआ है. ऐसे संकट के समय में शिक्षकों का यह दायित्व हो जाता है कि इस नुकसान की भरपाई कराई जाए, सभी कॉलेजों के शिक्षकों से अनुरोध है कि इस वर्ष वे ग्रीष्मावकाश पर न जाएं और इस दौरान अपनी क्लासेस लेते रहें.

समय से कराई जा सकें परीक्षाएं

संकाय अध्यक्ष ने कहा कि मैंने भी अपने संकाय के शिक्षकों से यह अनुरोध किया कि वे ग्रीष्मावकाश पर न जाएं. लॉ संकाय के शिक्षकों ने मेरा आग्रह स्वीकार कर लिया है. वे ग्रीष्मावकाश में भी अपनी कक्षाएं लेंगे ताकि सेकेंड सेमेस्टर का पाठ्यक्रम समय से पूरा किया जा सके और समय से परीक्षाएं भी कराई जा सकें. संकाय अध्यक्ष ने कहा कि एलएलबी पांच वर्षीय पाठ्यक्रम और एलबी तीन वर्षीय पाठ्यक्रम की परीक्षाएं जल्द समाप्त होने वाली हैं, इसलिए 28 अप्रैल से यहां दोनों पाठ्यक्रम के सेकेंड सेमेस्टर की क्लासेस प्रारंभ की जानी चाहिए.

JAGRAN CITY PAGE I & III

लवि : छात्राओं की जांच के लिए लगेगा स्वास्थ्य शिविर

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय सात और 14 मई को ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के सहयोग से हास्टल में रहने वाली छात्राओं के लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन करेगा। इसमें पुराने परिसर के तिलक छात्रावास और नए परिसर में लावण्या छात्रावास को चुना गया है। यहां पर सभी सात गर्ल्स हास्टल की करीब 900 छात्राओं की ऊंचाई, वजन के साथ बीएमआई (बेसिक मेटाबोलिक इंडेक्स) की जांच की जाएगी।

बीएमआई मोटापे के ग्रेड के बारे में बताता है। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि स्वास्थ्य शिविर में छात्राओं को आहार का परामर्श भी दिया जाएगा। शिविर में सहयोग के लिए ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में डीन व गृह विज्ञान विभाग की अध्यक्ष डा. ततहीर फातमा उपस्थित रहेंगी।

विधि विभाग के शिक्षक नहीं लेंगे गर्मी की छुट्टी

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि विभाग के शिक्षक इस बार गर्मी की छुट्टियां नहीं लेंगे। इस दौरान वह 28 अप्रैल से द्वितीय सेमेस्टर की कक्षाएं लेकर समय से कोर्स पूरा कराएंगे। छात्र हित में यह निर्णय रविवार को विधि संकाय की ओर से हुई आनलाइन बैठक में लिया गया। इसमें विधि महाविद्यालयों के प्राचार्य और प्रबंधकों के माध्यम से उनके शिक्षकों से भी ग्रीष्मकालीन अवकाश न लेकर कक्षाएं लेने का अनुरोध किया गया।

लवि से 38 विधि महाविद्यालय संबद्ध हैं। रविवार को दोपहर 12 बजे से इन सभी कालेजों के प्राचार्यों एवं प्रबंधकों की आनलाइन बैठक बुलाई गई। विधि संकाय अध्यक्ष प्रोफेसर सीपी सिंह ने कहा कि कोविड-19 की वजह से पहले ही विद्यार्थियों की पढ़ाई का नुकसान हो चुका है। इसलिए अपने-अपने कालेज के शिक्षकों से यह अनुरोध करें कि इस वर्ष शिक्षक ग्रीष्म अवकाश पर न जाकर कक्षाएं लेते रहे। विश्वविद्यालय के विधि संकाय के शिक्षकों ने यह अनुरोध स्वीकार कर लिया है। वह गर्मी की छुट्टियों में भी अपनी कक्षाएं लेंगे, ताकि द्वितीय सेमेस्टर का पाठ्यक्रम समय से पूरा किया जा सके।

पांच वर्ष के अंदर 12वीं पास तो कर सकेंगे डीफार्मा में आवेदन

अखिल सक्सेना • लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के डिप्लोमा इन फार्मेसी (डीफार्मा) पाठ्यक्रम में आवेदन करने के लिए इस बार पात्रता में बड़ा बदलाव हुआ है। अब पांच साल के अंदर विज्ञान वर्ग से इंटर पास करने वाले अभ्यर्थी ही आवेदन के लिए पात्र किए गए हैं। यह व्यवस्था शैक्षिक सत्र 2022-23 के लिए चल रही आवेदन प्रक्रिया में लागू कर दी गई है। फार्मेसी कांउसिल आफ इंडिया की ओर से किए गए इस बदलाव के बाद विश्वविद्यालय ने भी इसका अपडेट अध्यादेश वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है।

लवि के नवीन परिसर में इंस्टीट्यूट आफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज स्थापित है। यहां बीफार्मा 100 और डीफार्मा की 60 सीटों पर दाखिले का प्राविधान है। अभी तक डीफार्मा में विज्ञान वर्ग से 50 फीसद अंकों के साथ 12वीं उत्तीर्ण वाले किसी भी उम्र के अभ्यर्थी आवेदन कर सकते थे। अनुसूचित जाति-जनजाति के लिए उत्तीर्ण प्रतिशत 45 फीसद है, लेकिन अब आवेदन के लिए उम्र की समय सीमा तय कर दी गई है। इस साल वही अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं, जिन्होंने पांच साल के अंदर विज्ञान वर्ग के साथ नियमानुसार 12वीं पास किया है। लवि के प्रवक्ता डा. दुर्गेश ने बताया कि अध्यादेश में जो भी बदलाव हुआ है, उसी आधार पर आवेदन और प्रवेश प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

31 मई तक आवेदन का मौका : डीफार्मा में आवेदन के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। 60 सीटों के सापेक्ष 100 से ज्यादा आवेदन आ चुके हैं। 31 मई तक आनलाइन आवेदन का मौका है। इनमें दाखिले प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होंगे। वहीं, बीफार्मा पाठ्यक्रम में आवेदन की प्रक्रिया एकेटीयू की ओर से शुरू की जाएगी।

शकुंतला विश्वविद्यालय में शुरू होगा दिव्यांगों का स्टेडियम

डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के कुलसचिव अमित कुमार ने बताया कि कुलपति प्रो. आरकेपी सिंह की पहल पर परिसर में तैयार हुए अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम की शुरुआत अगले 100 दिनों में करने की कवायद चल रही है। स्टेडियम में दिव्यांगों की सुविधा का पूरा ध्यान रखा गया है। अपनी तरह का पहला स्टेडियम होगा, जहां दिव्यांगों की हर सुविधा का ध्यान रखा गया है।

नए सत्र से योग में डिग्री कोर्स की शुरुआत

लवि आगामी शैक्षिक सत्र 2022-23 से स्नातक स्तर पर बैचलर आफ नेचुरोपैथी एंड यौगिक साइंस कोर्स की शुरुआत करेगा। यह पूरा पाठ्यक्रम साढ़े पांच साल का होगा। इसमें नौ सेमेस्टर की पढ़ाई और एक साल इंटर्नशिप के लिए रहेगा। 60 सीटों पर दाखिले के लिए इस कोर्स में आनलाइन आवेदन वेबसाइट www.lkouniv.ac.in के माध्यम से किया जा सकता है। 31 मई तक अंतिम मौका है।

फैकल्टी आफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के कोआर्डिनेटर डा.अमरजीत यादव ने बताया कि पहले यह कोर्स पांच वर्ष के हिसाब से बनाया गया था, फिर छह महीने का कोर्स बढ़ाकर साढ़े पांच वर्ष किया गया है। कोर्स में शरीर की संरचना, शरीर की क्रिया विधि, रोग से होने वाला परिवर्तन, मुखाकृति विज्ञान एवं कन्निका निदान से रोग पहचानने, पंचतत्व से उपचार के तरीके बताए जाएंगे।

लिखित परीक्षा और मेरिट से होगा प्रवेश

डीन एडमिशन प्रो. वीके शर्मा ने बताया कि इस कोर्स में 60 सीटें हैं। यदि सीटों से ज्यादा आवेदन आएंगे तो प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। अन्यथा जितनी सीटें होंगी, उतने आवेदकों को प्रवेश मिलेगा। प्रवेश के लिए अहर्ता 50 फीसद अंकों के साथ 12वीं उत्तीर्ण होना चाहिए। प्रवेश के समय छात्र की उम्र 17 वर्ष से कम न हो।

PIONEER PAGE 3

एलयू विधि संकाय के शिक्षक इस बार नहीं लेंगे ग्रीष्मावकाश, कालेजों से भी अपील

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना संक्रमण के चलते पटरी से उतरी पठन-पाठन व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए इस बार लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के शिक्षक ग्रीष्मावकाश नहीं लेंगे। इस बावत रविवार को विधि कालेजों के प्राचार्यों के साथ विधि संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो सीपी ने ऑनलाइन बैठक कर शिक्षकों के अवकाश ने लेने की अपील की है। विश्वविद्यालय का विधि संकाय अपने यहां 28 अप्रैल से कक्षाएं प्रारंभ कर रहा है।

बैठक के बारे में विधि संकाय अध्यक्ष प्रो सीपी सिंह ने बताया कि कोविड.19 के कारण छात्रों का बहुत भारी नुकसान हुआ है। ऐसे संकट के समय में शिक्षकों का यह दायित्व हो जाता है कि उनके परिश्रम से छात्रों की पढ़ाई का जो भी नुकसान हुआ है उसे पूरा किया जा सके। इसलिए आप अपने-अपने कॉलेजों के शिक्षकों से यह अनुरोध करें कि इस वर्ष शिक्षक ग्रीष्मावकाश पर न जाएं और इस दौरान अपनी कक्षाएं लेते रहे। संकाय अध्यक्ष ने कहा कि मैंने भी अपने संकाय के शिक्षकों से यह अनुरोध किया कि वे ग्रीष्मावकाश पर न जाएं।

विधि संकाय के शिक्षकों ने इस वर्ष ग्रीष्म अवकाश पर न जाने का मेरा आग्रह स्वीकार कर लिया है और विधि संकाय के शिक्षक ग्रीष्मावकाश में भी अपनी कक्षाएं लेंगे ताकि द्वितीय सेमेस्टर का पाठ्यक्रम समय से पूरा किया जा सके और समय से परीक्षाएं भी कराई जा सके और अगला सत्र समय से प्रारंभ हो सके। एलएलबी पंचवर्षीय पाठ्यक्रम और एलबी त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम की परीक्षाएं शीघ्र ही समाप्त होने वाली है इसलिए आप भी 28 अप्रैल से अपने यहां दोनों पाठ्यक्रम के द्वितीय सेमेस्टर की कक्षाएं प्रारंभ कर दें। लखनऊ विश्वविद्यालय का विधि संकाय अपने यहां 28 अप्रैल से कक्षाएं प्रारंभ कर रहा है। जिसका टाइम टेबल नोटिस बोर्ड पर चस्पा कर दिया गया है और सभी विद्यार्थियों को व्हाट्सएप पर और ईमेल के माध्यम से भी टाइम टेबल भेजा जा रहा है।

एलयू में होगी बैचलर आफ नेचुरोपैथी एंड यौगिक साइंस की पढ़ाई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

शैक्षिक सत्र 2022-23 से लखनऊ विश्वविद्यालय स्नातक स्तर पर बैचलर आफ नेचुरोपैथी एंड यौगिक साइंस कोर्स शुरू कर रहा है। कोर्स की अवधि साढ़े पांच वर्ष की होगी और इसमें नौ सेमेस्टर की पढ़ाई और एक साल इंटर्नशिप के लिए रहेगा। कोर्स में एडमिशन के लिए आवेदन शुरू हो गये हैं। कोर्स के तहत प्रवेश के लिए 60 सीटें उपलब्ध होगी। आवेदन की अंतिम तिथि 31 मई है।

बैचलर आफ नेचुरोपैथी एंड यौगिक साइंस कोर्स प्रवेश लेने के लिए जीव विज्ञान विषय के साथ 50 प्रतिशत अंकों के साथ इंटरमीडिएट उत्तीर्ण होना आवश्यक है। प्रवेश, प्रवेश परीक्षा की मेरिट से होगा। जो छात्र इस वर्ष इंटरमीडिएट की परीक्षा दे रहे हैं वह भी आवेदन करके प्रवेश परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। प्रवेश के समय छात्र की उम्र 17 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए। पाठ्यक्रम चिकित्सा विज्ञान से सम्बन्धित तो है ही एवं रोजगारपरक हैं। इसमें शरीर की बनावट, शरीर की क्रियाविधि, रोग के दौरान शरीर में होने वाले परिवर्तन तथा रोग पहचानने के प्राकृतिक तरीकों यथा मुखाकृति विज्ञान, कनीनिका निदान का अध्ययन कराया जाएगा।

पाठ्यक्रम के दौरान जलचिकित्सा, मिट्टि चिकिसा, सूर्य किरण चिकित्सा, आहार चिकित्सा, उपवास चिकित्सा, तथा कल्प विषयों पर गहन शिक्षण प्रदान किया जाएगा। आधुनिक जीवन शैली के कारण उत्पन्न होने वाले रोग जैसे. उच्च रक्तचाप, मधुमेह, अनिद्रा, मोटापा, अस्थमा, गठिया, तनाव, पेट के रोग यह प्रमुख हैं जो व्यक्ति के स्वास्थ्य के लिए चुनौती है और यह बीमारियां स्वास्थ्य के स्तर को कम करती है और व्यक्ति और समाज को आरोग्यता से दूर ले जाती है जीवन शैली जनित रोगों पर सेमेस्टर वाइज शिक्षण प्रदान किया जाएगा।

AMRIT VICHAR PAGE 4

उपलब्धि | पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू, अंतिम तिथि 31 मई तक

लविवि ने शुरू किया योग का नया पाठ्यक्रम

अमृत विचार, लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय सत्र (2022-23) से यौगिक अध्ययन संस्थान के अंतर्गत एक नया पाठ्यक्रम शुरू कर दिया है। प्राकृतिक चिकित्सा और योग विज्ञान नाम से इस पाठ्यक्रम के लिए आवेदन भी शुरू कर दिए गये हैं। कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने बताया कि पांच वर्षीय प्रोफेशनल पाठ्यक्रम के ऑनलाइन आवेदन लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर पत्र उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि आवेदन की अंतिम तिथि 31 मई निर्धारित है। उन्होंने बताया कि प्रवेश लेने के लिए जीव विज्ञान विषय के साथ 50 प्रतिशत अंकों के साथ इंटरमीडिएट उत्तीर्ण होना आवश्यक है। प्रवेश, प्रवेश परीक्षा की मेरिट से होगा। जो छात्र इस वर्ष इंटरमीडिएट की परीक्षा दे रहे हैं वह भी आवेदन करके प्रवेश परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। प्रवेश के समय छात्र की उम्र 17 वर्ष से कम नही होनी चाहिए।

रोजगारपरक है यह कोर्स: कुलपति प्रोफेर आलोक राय ने बताया कि ये पाठ्यक्रम चिकित्सा विज्ञान से सम्बन्धित तो है ही एवं रोजगारपरक हैं। इसमें शरीर की बनावट, शरीर की क्रियाविधि, रोग के दौरान शरीर में होने वाले परिवर्तन तथा रोग पहचानने के प्राकृतिक तरीकों यथा- मुखाकृति विज्ञान, कनीनिका निदान का अध्ययन कराया जाएगा। मनुष्य का शरीर पंच तत्वों (हवा, पानी, पृथ्वी, अग्नि, आकाश) से बना हैं प्राकृतिक चिकित्सा में शरीर में असामान्यता आने पर इन्ही तत्वों से उपचार का प्राविधान हैं। पाठ्यक्रम के दौरान जलचिकित्सा, मिट्टि चिकिसा, सूर्य किरण चिकित्सा, आहार चिकित्सा, उपवास चिकित्सा, तथा कल्प विषयों पर गहन शिक्षण प्रदान किया जाएगा।

60 सीटों पर होगी प्रवेश प्रक्रिया

विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि इस नये पाठ्यक्रम की सीट संख्या 60 है। पूरे पाठ्यक्रम के दौरान छात्र एवं छात्राओ को चार वर्ष की पढ़ाई करनी होगी। सेमेस्टर समाप्ति के बाद एक साल की इंटर्नशिप करनी होगी इस प्रकार यह पाठ्यक्रम पांच वर्षीय है।

इन रोगों से निपटने के लिए मिलेगा प्रशिक्षण

कुलपति ने कहा कि आधुनिक जीवन शैली के कारण उत्पन्न होने वाले रोग जैसे- उच्च रक्तचाप, मधुमेह, अनिद्रा, मोटापा, अस्थमा, गठिया, तनाव, पेट के रोग यह प्रमुख है जो व्यक्ति के स्वास्थ्य के लिए चुनौती है और यह बीमारियां स्वास्थ्य के स्तर को कम करती है और व्यक्ति और समाज को आरोग्यता से दूर ले जाती है। जीवन शैली जनित रोगों पर सेमेस्टर वाइज प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

कोविड में पढ़ाई के नुकसान की होगी पूर्ति

अमृत विचार, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध विधि महाविद्यालयों में कोरोना संक्रमण से जिन छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हुई है, उनकी पढ़ाई कोटा पूरा कराया जायेगा। इसके लिए विवि ने सभी विधि महाविद्यालयों के प्राचार्यों के साथ रविवार को बैठक कर शिक्षकों से गर्मियों की छुट्टी पर न जाने की अपील की है। ऑनलाइन हुई बैठक में विधि संकाय अध्यक्ष प्रोफेसर सीपी सिंह ने कहा कि कोविड-19 के कारण छात्रों का बहुत भारी नुकसान हुआ है। ऐसे संकट के समय में शिक्षकों का यह दायित्व हो जाता है कि उनके परिश्रम से छात्रों की पढ़ाई का जो भी नुकसान हुआ है उसे पूरा किया जा सके। इसलिए आप अपने-अपने कॉलेजों के शिक्षकों से यह अनुरोध है कि इस वर्ष शिक्षक ग्रीष्मावकाश पर न जाएं और इस दौरान अपनी कक्षाएं लेते रहे। विधि संकाय के शिक्षकों ने इस वर्ष ग्रीष्म अवकाश पर न जाने का मेरा आग्रह स्वीकार कर लिया है और विधि संकाय के शिक्षक ग्रीष्मावकाश में भी अपनी कक्षाएं लेंगे ताकि द्वितीय सेमेस्टर का पाठ्यक्रम समय से पूरा किया जा सके और समय से परीक्षाएं भी कराई जा सके और अगला सत्र समय से प्रारंभ हो सके।

SWATANTRA BHARAT PAGE 3

आधुनिक युग में ज्ञान ही असली शक्ति

-लखनऊ विश्वविद्यालय में केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान बोले

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। छात्रों को ज्यादा से ज्यादा ज्ञान हासिल करने का प्रयास करना चाहिए। अगर आपके पास प्रतिभा, ज्ञान और जानकारी है तो आज के युग में ऐसे व्यक्ति को कोई अनदेखा नहीं कर सकता। आधुनिक युग में ज्ञान ही असली शक्ति है। यह बात केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कही। मौका था लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में लोक अधिकार मंच की ओर से आयोजित कार्यक्रम का। इसमें पूर्व छात्र व एग्जीक्यूटिव काउंसिल के सदस्य अनिल सिंह द्वारा लिखित

पुस्तक मेरी अशेष यात्रा के विमोचन के दौरान उन्होंने छात्रों को संबोधित किया। कार्यक्रम में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, पूर्व डिप्टी सीएम डॉ. दिनेश शर्मा मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने की। इस अवसर पर केरल के राज्यपाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति दुनिया में अकेली संस्कृति है जो न तो नस्ल, न भाषा न आस्था की अभिव्यक्ति के तरीके से परिभाषित होती है। भारतीय संस्कृति की शिक्षा यह है कि वह सबको अपने आप में देखती है और सबमें अपने आप को देखता है। ऐसी शिक्षा में कभी कहीं बैर के लिए जगह ही नहीं हैं। उन्होंने अनिल सिंह का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि उनकी आमंत्रण की वजह से आज वे अपने विश्वविद्यालय के सभागार में उपस्थित हुए हैं। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि किताब के कुछ पन्ने पढ़कर लगा कि यह किताब तो मेरे लिए लिखी गई है। मैं इससे अपने आप को अलग नहीं कर पा रहा हूं। इस किताब में विधि प्रवेश से लेकर अब तक का इतिहास दर्ज है। उन्होंने विश्वविद्यालय में बिताए दिनों को याद करते हुए कहा कि हम इनके साथ पीजी ब्लॉक से वीसी ऑफिस तक पैदल ही 25 चक्कर काट लेते थे। उन्होंने हॉस्टल व मेस में बिताए दिनों और अनुभवों का साझा किया। कैंटीन की आंटी जो दिनभर चाय बनाती थी और उसको सर्व करने वाले जमशेद को भी याद किया। पूर्व डिप्टी सीएम डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि गोमती सफाई अभियान में अनिल सिंह का योगदान महत्वपूर्ण रहा है। उनके इस पुस्तक में अभी तक का सारा अनुभव और लोगों की बारीक समझ होगी। इससे समाज को लाभ मिलेगा।

TOI PAGE 2

Study naturopathy & Yogic science at LU

Times News Network

Lucknow: Lucknow University will offer a new UG course of Bachelor in Naturopathic and Yogic Science (BNYS) from the academic session 2022-23.

The duration of the course will be 5.5 years. Candidates can apply for admission on 60 seats of the course that will be offered under LU's Institute of Yogic Studies.

"The application process for the course is the same as other UG courses. Students will have to apply online on LU's official website. The last date to apply for admission is May 31," said LU spokesperson Durgesh Srivastava.

He said: "A candidate should have at least 50% marks in biology in class XII to be eligible to apply for admission in the course. The admission will be on the basis of the merit of entrance test. Students who are appearing for the intermediate exam this year can also apply and appear in the entrance exam. The age of the student should not be less than 17 years at the time of admission. The five years of the course will have one year of mandatory internship."

Srivastava said the BNYS course is related to medical science and has high employability. In this, the study of body structure, body mechanism, changes in the body during disease and natural methods of identifying diseases such as facial morphology and others will be done. There are many employment opportunities available in Naturopathy like Naturopathy clinics can be started.

MISSION ADMISSION
BENNETT UNIVERSITY
TIMES OF INDIA GROUP

HT PAGE 3

LU TO START INTEGRATED COURSE IN YOGA, NATUROPATHY

HT Correspondent
letters@htlive.com

LUCKNOW : The University of Lucknow (LU) will start a new five-and-a-half-years' integrated course—Bachelor of Naturopathy and Yogic Science (BNYS)—from 2022-23 academic session under the Institute of Yogic Studies, according to a press release issued by the university.

"Online application forms of the course are available on Lucknow University website www.lkouniv.ac.in," said spokesperson for LU Durgesh Srivastava. "The last date for submission of online application forms is May 31. To seek admission in BNYS, it is necessary for candidates to have passed intermediate (class 12) in science stream with biology as a core subject with 50% marks. Admissions will be done on the basis of the entrance test," he said.

"Students who are appearing for intermediate exam this year can also apply and appear in the entrance exam. The students should not be less than 17 years of age at the time of admission," Srivastava added. "There are 60 seats," he said.